

# Baba's Praise

26/4/2015

- बाप-समान आकारी अव्यक्त वतन निवासी बनो या निराकारी बाप के गुणों समान सर्व गुणों में भी मास्टर बन जाओ
- आनन्द का सागर बाप है तो उसी आनन्द के सागर की लहरों में लहराने वाले अनुभवी मूर्त।

